प्रेस विज्ञप्ति

जनपद बस्ती

दिनॉक 15.11.2020

अपनी लड़की की हत्या करके शव छिपाने वाला पिता/अभियुक्त गिरफ्तार, आला कत्ल बरामद

पुलिस अधीक्षक बस्ती श्री हेमराज मीना के आदेश के क्रम में जनपद बस्ती में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती श्री रविन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन में, क्षेत्राधिकारी सदर श्री गिरीश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष डी0के0 सरोज द्वारा दिनांक 15.11.2020 को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त शिवगोविन्द त्रिपाठी द्वारा अपने ही पुत्री अन्नु उम्र करीब 18 बर्ष की हत्या प्रेम प्रसंग के कारण साईकिल पर बैठाकर सुनसान स्थान पिपरा ताल पर ले जाकर गड़ासा से गला काटकर कर शव को पिपरा तालाब मे छिपा दिया था। पोस्टमार्टम मे गला काटकर हत्या करने की बात प्रकाश मे आयी तो हत्या का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त शिवगोविन्द त्रिपाठी को गिरफ्तार कर जेल रवाना किया जा रहा है।

अभियुक्त का विवरण

शिवगोविन्द त्रिपाठी पुत्र सुदामा प्रसाद त्रिपाठी ग्राम वेलहरा थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती

पूछताछ का विवरणः-

पूछताछ पर अभियुक्त द्वारा बताया गया कि दिनांक 06 .11.2020 को शाम के करीब 06.00 बजे जब मै अपनी दुकान से घर पर आया तो देखा कि मेरी लड़की फोन पर किसी से बात कर रही है मैने पूछा तो उसने तुरन्त मोबाइल का सिम निकालकर मुंह मे खा लिया खा लिया । मैने उसे बहुत समझाया लेकिन वह नही मानी फिर मै अपनी दुकान पर चला आया। मेरी लड़की गैर बिरादरी के लड़के से बात चीत करती थी तथा उससे छिप छिप कर मिलती भी थी। मै अपनी दुकान पर था तो मेरी पत्नी आकर बतायी कि लड़की ने घर के कमरे मे ताला बन्द कर लिया है आशंका है कि कुछ अनहोनी कर लेगी आप जल्दी चलिये। इस पर मै अपनी दुकान से जल्दी जल्दी घर पहुचा तो देखा कि कमरे मे मेरी लड़की ताला बन्द करके कुण्डी मे फांसी लगाने का प्रयास कर रही थी यह देखकर मै खिड़की तोड़कर अन्दर गया और अपनी लड़की को समझाने बुझाने लगा लेकिन मेरी लड़की मुझसे बार बार कह रही थी कि पापा मै अब बड़ी हो गयी हूँ मुझको मेरे अनुसार जीने दो मै जिससे प्रेम करती हूँ उसी के साथ रहुँगी। मेरी लड़की गैर बिरादरी के लड़के से बात चीत करती थी तथा उससे छिप छिप कर मिलती भी थी। मनाने, समझाने, बुझाने मे काफी समय लगा वह बार बार हमसे झगड़ जाती थी। मुझे भी गुस्सा आ गया मै कहा कि चलो मै तुमको उस लड़के से मिलाता हूँ मै अपनी साईकिल निकाला और अपने घर से अपनी लड़की को डराने के लिए गड़ासा भी कपड़े मे लपेटकर ले लिया। मै अपनी लड़की को साईकिल पर बैठाकर सुनसान स्थान पिपरा ताल के पास ले गया । धान का खेत कटा हुआ था। मै अपनी लड़की को डरा रहा था कि तुम उस लड़के का साथ छोड़ दो तुम्हारी शादी हम अपने बिरादरी मे कर देंगे। तुम उस लडके के साथ रहोगी तो मेरा नाक कट जायेगा हम समाज मे मुँह दिखाने लायक नही रहेंगे । मेरी लड़की मेरी बात मान नही रही थी मै अपनी लड़की को मारना नही चाहता था। डराने के लिए मै गड़ासे से उसके गले पर दिखावटी रुप मे कई बार प्रहार किया, लेकिन मेरी लड़की बिल्कुल नही मुझसे डर रही थी । वह जिद पकड़ ली कि पापा मै करुँगी अपनी ही वाली चाहे तुम्हारी नाक कटे या मेरा गला कटे। यह कहकर मेरे सामने ही खेत मे लेट गयी और कहने लगी ***पापा या तो मुझे स्वतन्त्र होकर***

जीने दो या फिर मेरा गला ही काट दो। तो इस बात पर मुझे गुस्सा आ गया मै गड़ासे से उसके गले पर जोर से प्रहार कर दिया जिससे उसका गला कट गया वह तड़पड़ाने लगी । फिर मै उस पर कई बार वार कर दिया वह मर गयी फिर मै उसका एक पैर पकड़कर पानी मे ले गया 10 कदम चलने के बाद दोनो पैर पकड़ लिया अन्दर पानी मे लेजाकर फेक दिया तथा गड़ासे को ले जाकर अपने घर के बरजे पर रखा हूँ। जिस दिन लाश को गांव वालो ने देखा तो कुछ लोग मेरी लड़की की लाश पहचान लिये फिर मुझको बुलाया गया मै पहचानने से इंकार कर दिया फिर मेरी पत्नी भी आ गयी और अपनी लड़की की लाश देखकर रोने लगी। फिर मै भी मान लिया कि मेरी ही लड़की का लाश है फिर मै प्रधान जी के कहने पर थाने पर प्रार्थना पत्र देकर पोस्टमार्टम कराया।

गिरफ्तार करने वाली टीम-

1. श्री दिनेश कुमार सरोज, थानाध्यक्ष वाल्टरगंज।
2-उ0नि0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह थाना वाल्टरगंज
2. उ0नि0 श्री ललितकान्त यादव, थाना वाल्टरगंज
3.का0 सतीश कुमार पाण्डेय 4.का0 सूर्यनाथ यादव, 5.का0 रंजीत कन्नौजिया,
6.का0 दिनेश गौतम, थाना वाल्टरगंज
7.म0का0 पूर्णिमा सिंह थाना वाल्टरगंज